जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं की नई सूची जारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड सरकार ने ज़िलास्तरीय पदों पर नियुक्ति के लिये जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं की नई सूची जारी की।

प्रमुख बिंदु

- इस संबंध में कार्मिक विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही ज़िलास्तरीय नियुक्तियों के लिये जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से संबंधित 24 दिसंबर को जारी अधिसूचना को विलोपित कर दिया गया है। इससे पहले क्षेत्रीय भाषाओं की सूची में उर्दू को शामिल किया गया था।
- क्षेत्रीय भाषाओं की नई सूची में बोकारो से भोजपुरी एवं धनबाद से भोजपुरी और मगही को हटा दिया गया है।
- जेएसएससी द्वारा मैट्रिक व इंटर स्तर की प्रतियोगिता परीक्षा में ज़िलास्तरीय पदों के लिये भाषाओं को ज़िलावार चिह्नित करते हुए यह सूची जारी की गई है।
- उल्लेखनीय है कि विभिन्न संगठनों द्वारा, खासकर बोकारो और धनबाद में भोजपुरी एवं मगही भाषा को क्षेत्रीय भाषा की सूची में शामिल किये जाने के विरोध में आंदोलन किया गया था। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो सहित झामुमो के कई नेताओं और कई संगठनों ने सरकार से क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से भोजपुरी और मगही को हटाने की मांग की थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-list-of-tribal-and-regional-languages